9 जनवरी 2018

प्रेस विज्ञप्ति

विश्व पुस्तक मेला : सभी को लुभा रहा है थीम पैवेलेयिन

यजुर्वेद से उद्धृत सूक्त कथन 'वनस्पतयः शांतिः' को प्रदर्शित करते हुए विशेष रूप से निर्मित थीम मंडप की साज–सज्जा अत्यंत आकर्षक है जो पुस्तक मेले में आने वाले सभी पुस्तक प्रेमियों को लुभा रही है। इस मंडप की साज–सज्जा में अधिकांशतया पर्यावरण–हितैषी सामग्री, यथा–बाँस, बेंत, जूट, फूस, एमडीएफ बोर्ड, पर्यावरण विलायक डिजिटल प्रिंट, पेपर मैशे, पर्यावरण–हितैषी रंगों आदि का उपयोग किया गया है। मंडप के मुख्य हिस्से, ग्लोब वाले कक्ष की आंतरिक दीवारों पर, यजुर्वेद, ऋग्वेद आदि के पर्यावरण संबंधित श्लोक अंकित किये गए हैं। यहाँ अंग्रेज़ी सहित भारतीय भाषाओं की थीम आधारित लगभग 400 पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं। प्रतिदिन यहाँ पर्यावरण संबंधी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

आज उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल, श्री राम नाइक ने मेले में शिरकत की और पुस्तक मेले का अवलोकन किया व थीम मंडप की आकर्षक साज–सज्जा की सराहना की। श्री नाईक लगभग दो घंटे मेले में रहे और अनेक स्टॉलों पर गए। वे मेले में लेखक मंच पर भी पहुँचे, वहाँ उन्होंने इस भव्य पुस्तक मेले के आयोजन के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को शुभकामनाएँ दीं।

आज दोपहर थीम मंडप पर राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन द्वारा 'प्राचीन पांडुलिपियों में पर्यावरणीय संदर्भ' विषय पर विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ता के रूप में उपस्थित थे : लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलपति, प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. उपेंद्र राव, इंद्रप्रस्थ कॉलेज के डॉ. गोविंद सिंह, वरिष्ठ उर्दू पत्रकार, श्री सुहेल अंजुम। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संघमित्रा बासु द्वारा किया गया। चर्चा में यह बात सामने आई कि हमारे प्राचीन ग्रंथ, प्रकृति और पर्यावरण के प्रसंगों से भरे हुए हैं। वेदों में मंत्रों में यत्र–तत्र–सर्वत्र प्रकृति और पर्यावरण के संदर्भ मिलते हैं। निष्कर्ष रूप में यह कहा गया कि भारतीय संस्कृति अपने प्रारंभ से ही पर्यावरण से गहरी जुड़ी रही है।

थीम मंडप पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में ही पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लेखक, श्री निरंजन देव भारद्वाज की पुस्तक, 'एनवायरनमेंट एथिक्स एंड इंडियाज़ पर्सपेक्टिव ऑन एनवायरनमेंट' का लोकार्पण साहित्य अकादेमी के सचिव श्री के. श्रीनिवास राव द्वारा किया गया। श्री राव ने पुस्तक के संदर्भ में कहा कि यह पुस्तक आज के समय की आवश्यकता है, जब हम पर्यावरण के गंभीर संकट से गुज़र रहे हैं। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि आज जबकि पर्यावरण को लेकर वैश्विक चिंतन चल रहा है, एक प्रकाशन संस्था होने के नाते ऐसे महत्वपूर्ण विषय को समाज के विमर्श के केंद्र में लाना हमारा कर्तव्य है। पुस्तक के लेखक, श्री निरंजन देव भारद्वाज ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इसी मंच पर आज भारत की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं पद्म विभूषण, डॉ. सोनल मानसिंह के साथ पर्यावरण पर केंद्रित संवाद आयोजित किया गया जिसमें दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर एवं जाने–माने पत्रकार, श्री अनंत विजय ने डॉ. सोनल मानसिंह से पर्यावरण तथा नृत्य के बीच अटूट संबंध पर बातचीत की। इस अवसर पर डॉ. सोनल ने कहा कि भारतीय परंपरा में पर्यावरण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जीवन में प्रकृति की सुंदरता न हो तो केवल कर्कशता ही शेष रह जाती है। साथ ही, मुद्रित पुस्तकों के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि वे ई–पुस्तकें नहीं पढ़ती हैं, वे असली पुस्तक हाथ में लेकर पढ़ती हैं जिससे विशेष आनंद आता है।

बाल मंडप

आज इस रचनात्मक मंच पर मेले में आए लोगों को बहादुर बच्चों से बातचीत करने के अवसर भी प्राप्त हुए। यहाँ राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार से सम्मानित दो बहादुर बच्चे, नमन तथा महिका गुप्ता ने अपने अनुभव सभी के साथ साझा किए। नमन ने बताया कि किस प्रकार उसने डूबते हुए बच्चों की जान बचाई और महिका गुप्ता ने बताया कि किस प्रकार उसने केदारनाथ हादसे में अपने भाई की जान बचाई। इस कार्यक्रम का आयोजन सर्वोदय विद्यालय (आनंद विहार) द्वारा किया गया।

इसी मंच पर आज बच्चों को स्वीडिश लेखिका, जुज्जा वाइज़लैंडर से मिलने का मौका भी मिला। यहाँ सुश्री जुज्जा वाइज़लैंडर ने बच्चों को *मामा मू* नामक कहानी सुनाई। इसके अतिरिक्त, यहाँ इंडियन थिएटर विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष एवं चित्रकार, सुश्री नवदीप कौर तथा प्रसिद्ध कथावाचक, सुश्री फौज़िया दास्तानगो ने बच्चों को *कजरी गाय* नामक कहानी अत्यंत रोचक ढंग से सुनाई।

साहित्यिक गतिविधियाँ

मेले में साहित्य प्रेमियों के लिए बने चार ऑथर्स कॉर्नर पर दिनभर अनेक साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। यह पुस्तक प्रेमियों का पसंदीदा स्थान है क्योंकि यहाँ वे लेखकों एवं साहित्यकारों के साथ बातचीत कर सकते हैं। लेखक मंच पर शिवना प्रकाशन द्वारा पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम हुआ जिसमें विभिन्न पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिसमें *प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएँ, दो जुलाई दो हज़ार पाँच, डाली मोगरे की, नक्काशीदार केबिनेट,* आदि शामिल हैं।

जर्मन दूतावास के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मंडप में स्थापित चित्र–प्रदर्शनी 'इनर्जीवेंडे' का उद्घाटन जर्मनी दूतावास में आर्थिक मामलों के प्रमुख डॉ. कॉलीन सिल्वा गारबादे, इंडो–जर्मन इनर्जी फोरम के अधिकारी, तोबियस विंटर और रा.पु.न्यास की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. रीता चौधरी ने कहा कि साहित्य लोगों को दिल से जोड़ता है। लेखक परमात्मा की विशिष्ट देन हैं और आम लोगों को पर्यावरण तंत्र के प्रति संवेदनशील बनाने में लेखकों की बड़ी भूमिका है।

पुस्तक मेले में हर शाम हंसध्वनि थिएटर में संगीत एवं नृत्य प्रस्तुति का आयोजन किया जा रहा है। प्रगति मैदान में आने वाले पुस्तक प्रेमी पुस्तकें खरीदने के साथ–साथ संगीत एवं नृत्य का भी भरपूर आनंद उठा रहे हैं।